वाले व्यक्तित्व के व्यवहार में पारस्परिक क्रिया (Interaction) के समय आक्रमणशीलता की प्रधानता होती है इसी प्रकार अधिपत्य (dominance) तथा नम्रता (submissiveness) के शीलगुण वाले व्यक्तियों के व्यवहार में क्रमशः उनाधिपत्य एवं नम्रता कि विशेषता देखी जा सकती है। मजे की बात यह है कि दूसरा व्यक्ति (O) उस व्यक्ति (P) से इसी प्रकार के व्यवहार की प्रत्याशा (expectation) करता है। यदि P किसी O के व्यक्तित्व तन्त्र का ज्ञान रखता है तो वह भी O से एक विशेष प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा रखता है। व्यक्तित्व तन्त्र के संबंध में यह बात स्मरण रखना चाहिए कि इस में स्थिरता (stability) एवं संगति (consistency) पाई जाती है। इसी आधार पर पारस्परिक क्रिया के समय किसी व्यक्ति के व्यवहार के सम्बन्ध में भविष्यवाणी (Predication) करना संभव होती है, लेकिन, इसके साथ-साथ थोड़ी-बहुत गतिकता (dynamism) भी पाई जाती है, जिस व्यक्ति के व्यक्तित्व तन्त्र में जितनी ही अधिक गतिकता पायी जाती है, उसके व्यवहार के सम्बन्ध में भविष्यवाणी करना उतना ही कठिन होता है।

पारस्परिक क्रिया (Interaction) के समय भूमिका-तनाव (role (strain) के रूप में व्यक्तियों के व्यवहार का विश्लेषण भी व्यक्तित्व-तन्त्र (Personality system) के आलोक में किया जाता है, इस सन्दर्भ में सेकर्ड तथा बैकमैन (Secord

K. Nand M.A I 19/01/2022

Date..................

Expt. No.................. Page No..................

and Bachman, 1974) ने तीन व्यक्तिगत विशेषताओं (individual characteristics) का उल्लेख किया है -
(क) व्यक्तिगत शीलगुण (individual attributes)
(ख) स्वधारणा (self-concept) तथा आवश्यकता
(ग) अभिव्यक्ति (need expression)।

व्यक्तिगत शीलगुण के दो प्रकार हैं। जिन्हें व्यक्तिगत गुण (personality qualities) तथा वातावरण से अर्जित शीलगुण कहते हैं। कुछ शारीरिक विशेषताएँ (physical characteristics) आदि व्यक्तिगत गुण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार शैक्षिक उपाधि (academic degree), प्रशिक्षण आदि वातावरण से अर्जित गुण हैं। पारस्परिक क्रिया (interaction) के समय जब ये व्यक्तिगत शीलगुण अपेक्षित व्यवहार (expected behaviour) में सहायक होते हैं तो व्यक्ति सामान्य रूप से अपनी भूमिका (Role निभाता) है और जब ये शीलगुण अपेक्षित व्यवहार में बाधक होते हैं तो वह भूमिका तनाव (Role strain) का शिकार बन जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों की शारीरिक प्रतीति (physical appearance) प्राध्यापक (professor) के जैसी होती है वे अपनी भूमिका में अधिक सफल समझे जाते हैं (Ellis and Keedy 1960)। इसी प्रकार स्वधारणा (self concept) का प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार पर पड़ता है। स्वधारणा के अनुकूल अपेक्षित

Teacher's Signature : ....

व्यवहार होने पर व्यक्ति सहज

P.T.O